आशीषः प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 71 , ता. 10. 6. 2025 , मंगलवार , जेठ सुद - 14

धर्मलाभ

ईमानदारी वह बीज है,
जो समय भले ही ले,
पर फल हमेशा
सुनहरा देता है।
आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय
{आनंदराज}

जहां बीज नहीं उगा, वहां विश्वास खिला

एक बार एक राजा वृद्ध हो गया और उसने तय किया कि वह अपने उत्तराधिकारी का चुनाव करेगा। लेकिन वह चाहता था कि उसका उत्तराधिकारी ईमानदार और योग्य हो। उसने राज्य के सभी युवाओं को बुलाया और उन्हें एक-एक बीज दिया।

राजा ने कहा, "यह एक विशेष बीज है। इसे घर ले जाकर एक गमले में लगाओ, पानी दो और देखो क्या उगता है। एक साल बाद तुम सभी वापस आओगे, और मैं देखूंगा कि किसने इस बीज से क्या उगाया है।

सब युवा बीज लेकर घर चले गए। उनमें से एक लड़का था — अर्जुन। उसने भी बीज को गमले में लगाया, रोज पानी दिया, देखभाल की...

लेकिन हफ्तों बाद भी कुछ नहीं उगा। महीने बीते, फिर भी कुछ नहीं उगा। बाकी सारे युवाओं के पौधे निकल आए, फूल और फल तक आ गए थे। अर्जुन का गमला अब भी खाली था।

एक साल बाद सब दरबार में पहुँचे। सबके पास हरे-भरे पौधे थे। अर्जुन खाली गमले के साथ आया। लोग उसका मज़ाक उड़ाने लगे। लेकिन राजा ने अर्जुन को सिंहासन पर बैठा दिया।

सब हैरान रह गए।

राजा मुस्कराया और कहा,

मैंने जो बीज दिए थे, वे उबाले हुए थे — उनसे कुछ नहीं उग सकता था। बाकी सबने बीज बदल दिए, पर अर्जुन ने नहीं। उसने ईमानदारी दिखाई। वही मेरा असली उत्तराधिकारी है।

:: शिक्षा ::

ईमानदारी हमेशा रंग लाती है, चाहे रास्ता कितना भी कठिन क्यों न हो।

मार्मिक प्रश्नमंच - 219

नक्षत्रों कितने हैं ???

(1) 27
(2) 9
(3) 28
(4) 12

प्रश्नमंच 218
जवाब (3)
3

विजेता : श्री प्रीतिबेन - कलकत्ता

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
झो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें
8849680131
www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 72 , ता. 11. 6. 2025 , बुधवार , जेठ सुद - 15

धर्मलाभ

आज्ञा पालन केवल ,
शब्दों का पालन नहीं !
यह संस्कारों और ,
सम्मान का प्रतीक है ।
आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय
{आनंदराज}

हमारे जीवन में अनुशासन, आदर और आज्ञापालन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से जब हम अपने बड़ों, शिक्षकों या अनुभवी व्यक्तियों की बात करते हैं, तो उनकी दी गई आज्ञा या सलाह अनुभव और समझ का निचोड़ होती है । लेकिन जब हम उन्हें नजरअंदाज करते हैं या उनकी आज्ञा का पालन नहीं करते, तो कई बार हमें गंभीर नुकसान उठाना पड़ता है।

एक बार एक युवा लड़का अपने गुरु के साथ जंगल में घूमने गया। रास्ते में गुरु ने उसे एक पेड़ की तरफ इशारा करके कहा, इस रास्ते से मत जाना, वह खतरनाक है। लेकिन लड़का सोचने लगा, मैं तो तेज और समझदार हूँ, मुझे कोई खतरा नहीं होगा। और वह उसी रास्ते पर चल पड़ा।

आज्ञा पालन सफलता की पहली सीढ़ी

कुछ ही दूर चलने के बाद उसे एक सांप ने डस लिया। वह दर्द से तड़पने लगा और गुरु के पास लौट आया। गुरु ने उसकी जान बचाई लेकिन कहा, यदि तुम मेरी आज्ञा मान लेते, तो यह संकट न आता।

यह कहानी हमें यह सिखाती है कि आज्ञा न मानने से हम अपने लिए खतरे के दरवाजे खोल देते हैं। कई बार हमारी अल्प जानकारी और आत्म-विश्वास हमें गलत निर्णय लेने पर मजबूर कर देते हैं। लेकिन जो लोग हमारे भले के लिए सलाह देते हैं, उनकी आज्ञा का पालन करके हम बड़ी कठिनाइयों से बच सकते हैं।

स्वतंत्र सोच और आत्म-निर्णय ज़रूरी हैं, लेकिन सही मार्गदर्शन और अनुभव को अनदेखा करना नुकसानदायक हो सकता है। आज्ञा का पालन करना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी और दूरदर्शिता की निशानी है।

मार्मिक प्रश्नमंच - 220

कुंडली के कितने प्रकार है ???

(1) 12
(2) 9
(3) 3
(4) 7

प्रश्नमंच 219
जवाब (1)
27

विजेता : श्री नरेशभाई - भावनगर

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
झ्रे द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें 8849680131

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 73 , ता. 12. 6. 2025 , गुरूवार , जेठ वद - 1

धर्मलाभ

केवल सोते समय देखे गए , सपने नहीं ! बल्कि जागकर , किए गए प्रयास ही , उन्हें हकीकत बनाते हैं ।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

जागत है सो पावत है, सोवत है वो खोवत है।

हम सबने कभी न कभी अपने बुजुर्गों से ये कहावत ज़रूर सुनी होगी "जागत है सो पावत है, सोवत है वो खोवत है।" पर क्या आपने कभी सोचा है कि इस एक पंक्ति में ज़िंदगी का कितना बड़ा फंडा छिपा है?

अब ज़रा सोचिए, सुबह 5 बजे जब अलार्म बजता है, तो दो तरह के लोग होते हैं —

एक जो आंखें मलते हुए उठ जाते हैं और कहते हैं, "चलो दुनिया बदलने का टाइम हो गया है!"

दूसरे वो, जो कंबल में लिपटे हुए अलार्म बंद कर के सोचते हैं " 5 मिनट और..." और फिर 8 बजे आंख खुलती है, साथ में अफसोस की मिठी नींद भी उड़ चुकी होती है।

यह कहावत कहती है कि जो जागता है, यानी जो मेहनत करता है, सतर्क रहता है, समय का सदुपयोग करता है वही पाता है। और जो सोता है, यानि आलसी रहता है, टालमटोल करता है वो खोता है।

जैसे किसान को ही ले लीजिए। अगर वो समय पर जागकर खेत नहीं जोतेगा, बीज नहीं बोएगा, तो फसल कहाँ से होगी? वहीं दूसरी ओर जो मेहनत करता है, उसके खेत लहलहाते हैं।

यह कहावत सिर्फ नींद और जागने तक सीमित नहीं है, ये तो एक प्रतीक है जागरूकता और कर्मठता का। चाहे पढ़ाई हो, नौकरी हो, रिश्ते हों या खुद के सपने जो व्यक्ति सतर्क और मेहनती होता है, वही अपने लक्ष्य तक पहुँचता है।

तो अगली बार जब सुबह अलार्म बजे, या जब मन करे कि "यार, बाद में कर लेंगे", तब इस कहावत को याद करना " जागत है सो पावत है, सोवत है वो खोवत है ! " और खुद से कहना चल उठ यार, कुछ बड़ा करना है ! 😄

मार्मिक प्रश्नमंच - 221

कानखजुरा कौनसी राशि का स्वरूप (चिह्न) है ???

(1) मिथुन
(2) वृश्चिक
(3) कर्क
(4) मकर

प्रश्नमंच 220 जवाब (4) 7

विजेता : श्री योगेश सोमपुरा - पालीताणा

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें... झो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें 8849680131

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 74 , ता. 13. 6. 2025 , शुक्रवार , जेठ वद - 2

धर्मलाभ

सच्चा प्रतिशोध बदले में चोट पहुँचाना नहीं, बल्कि बिना बदले के मुस्कुराते हुए आगे बढ़ जाना है।
आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय
{आनंदराज}

मिठास भरा बदला
जब मुस्कान बन जाए प्रतिशोध

प्रतिशोध, यानी बदला, एक ऐसा शब्द है जो सुनते ही मन में महाभारत, फिल्मों के विलेन, और टीवी सीरियलों की लंबी बहसें घूमने लगती हैं। लेकिन सोचिए, अगर अर्जुन ने द्रोणाचार्य से बदला लेने की ठान ली होती क्योंकि उन्होंने "अपने बेटे को ज़्यादा प्यार दिया", तो क्या होता? या अगर रावण ने सीता हरण के बदले श्रीराम की शादी तोड़ने की साजिश रची होती, तो रामायण की पूरी स्क्रिप्ट ही बदल जाती!

असल में, प्रतिशोध एक भावनात्मक झूला है कभी गुस्से का झोंका, कभी खुद की बेइज्जती का हिसाब-किताब।

लेकिन मज़े की बात ये है कि बहुत बार ये प्रतिशोध इतना 'क्रिएटिव' हो जाता है कि हंसी आ जाती है।

किसी ने कॉफी गिराई? अगले दिन ऑफिस की कुर्सी पर टेप चिपका दो। दोस्त ने पार्टी में सबके सामने मज़ाक उड़ाया? सोशल मीडिया पर उसकी बचपन की फोटो शेयर कर दो! प्रतिशोध अब तलवार नहीं, मीम बन गया है।

पर अंत में सच्चा मज़ा तब आता है जब हम प्रतिशोध की जगह "forgive and forget" को चुनते हैं। क्योंकि जब आप माफ कर देते हैं, तो सामने वाला कन्फ्यूज़ हो जाता है —"इसने बदला क्यों नहीं लिया?" और वो जो कन्फ्यूजन है... वही असली मजेदार प्रतिशोध है!

तो अगली बार अगर कोई आपका दिल दुखाए, तो बदला लेने की जगह मुस्कुरा दीजिए। क्योंकि सबसे प्यारा प्रतिशोध है...
शांति से जीना!

मार्मिक प्रश्नमंच - 222

उत्तराषाढा नक्षत्र का प्रथम चरण किस राशि में आता है ???

(1) धन
(2) मीन
(3) मकर
(4) मेष

प्रश्नमंच 221
जवाब (3)
कर्क

विजेता : श्री रंजन महेंद्र शाह-अमदावाद

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट

contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें
8849680131
www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीषः प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 75 , ता. 14. 6. 2025 , शनिवार , जेठ वद - 3

धर्मलाभ

ज़िद अगर अपने सुधार की हो तो सफलता बनती है । लेकिन अगर अहंकार की हो तो अकेलापन देती है।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

ज़िद एक ऐसी चीज़ है, जो बच्चों में क्यूट लगती है, बड़ों में खतरनाक और रिश्तों में बवाल की जड़ बन जाती है। ज़रा सोचिए – अगर ज़िद इंसान होती, तो हर डॉक्टर, वकील, और रिश्तेदार उससे दूरी बना लेता!

पहला नुकसानः रिश्ते हो जाते हैं "डिलीट"

"मुझे वही चाहिए वरना कुछ नहीं!" – इस एक लाइन में न प्यार बचता है, न समझदारी। ज़िद करने वाले को लगता है वो जीत रहा है, लेकिन असल में वो अपने आसपास के लोगों को धीरे-धीरे खो रहा होता है। फिर चाहे दोस्ती हो, प्यार हो या फैमिली – सब कहते हैं, "इससे तो दूर ही भले।"

ज़िद फायदा कम , नुकसान ज़्यादा !

दूसरा नुकसानः दिमाग़ जाता है लोड में

जब कोई चीज़ ज़िद से नहीं मिलती, तो सामने वाला गुस्से में जलता है, और अपना दिमाग़ खुद ही फ्राई कर लेता है। न नींद ढंग से आती, न भूख लगती – बस वही "मुझे चाहिए चाहिए चाहिए!" का रट। मन का शांति आश्रम वहीं खत्म!

तीसरा नुकसानः मूर्खता का मास्टर क्लास

कभी देखा है कोई इंसान जिद में आकर बाल कटवाने चला जाए... और फिर आइने में देखकर खुद को पहचानने से इनकार कर दे? यही करती है ज़िद – सोचने की शक्ति छीन लेती है, और इंसान को YouTube का वायरल जोकर बना देती है।

समझदारी ये है कि कब ज़िद करनी है, और कब छोड़ देनी है। वरना दुनिया कहेगी – "ये इंसान नहीं, ज़िद का भूत है!" 😄

मार्मिक प्रश्नमंच - 223

सातमी राशि का नाम क्या है ???

(1) कन्या
(2) तुला
(3) सिंह
(4) वृश्चिक

प्रश्नमंच 222
जवाब (1)
धन

विजेता : श्री भारती वोरा

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें 8849680131

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 76 , ता. 15. 6. 2025 , रविवार , जेठ वद - 4

धर्मलाभ

ज़िद अगर अपने सुधार की हो तो सफलता बनती है । लेकिन अगर अहंकार की हो तो अकेलापन देती है।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

सफलता के द्वार खोलते ये सरल ज्योतिषीय उपाय

जब कोई व्यक्ति किसी अच्छे कार्य (जैसे नया व्यवसाय, नौकरी का इंटरव्यू, विवाह वार्ता, परीक्षा, यात्रा आदि) के लिए बाहर जा रहा होता है, तो कई लोग सकारात्मक और शुभ टोटके अपनाते हैं, जिससे कार्य में सफलता मिले और बाधाएँ दूर रहें।

1. दही और चीनी खिलाना

टोटका : घर से निकलने से पहले थोड़ी दही में चीनी मिलाकर खाएं।

मान्यता : यह शुभ होता है और कार्य में सफलता दिलाता है।

2. दाएं पैर से बाहर निकलना

टोटका : शुभ कार्य के लिए घर से निकलते समय " दाहिना पैर पहले बाहर रखें। "

मान्यता : दाहिना पैर मंगलसूचक होता है।

3. पान, लौंग या इलायची मुंह में रखें

टोटका : यात्रा या महत्वपूर्ण काम के समय पान, इलायची या लौंग मुंह में रखें।

मान्यता : यह वाणी को मधुर और कार्य को सफल बनाता है।

4. गौतमस्वामी जी का स्मरण करें

टोटका : " गुरू गौतमस्वामी " का मंत्र का 11 बार जप करें।

मान्यता : विघ्नों का नाश होता है और कार्य निर्विघ्न होता है।

5. जेब में साबुत चावल रखें

टोटका : सफेद कपड़े में थोड़े से साबुत चावल बांधकर जेब में रखें।

मान्यता : यह चंद्रमा को मजबूत करता है और मानसिक तनाव कम करता है।

6. छींक का ध्यान रखें

टोटका : अगर कोई सामने छींक दे, तो दो मिनट रुककर या पानी पीकर फिर निकलें।

मान्यता : छींक को अशुभ संकेत माना जाता है।

7. शुभ मुहूर्त और राहुकाल देखें

टोटका : निकलने से पहले पंचांग देखकर शुभ मुहूर्त और राहुकाल से बचें।

मान्यता : राहुकाल में कार्य करना टालना चाहिए, यह अशुभ माना जाता है।

मार्मिक प्रश्नमंच - 224

पेट संबंधी विचारणा किस राशि में होती है ???

(1) वृषभ
(2) मकर
(3) मीन
(4) कन्या

प्रश्नमंच 223 जवाब (2) तुला

विजेता : श्री आयुष शाह - कलकत्ता

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site

अर्हम् साईट

contact : 8849680131

arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...

ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें 8849680131

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा
अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 77 , ता. 16. 6. 2025 , सोमवार , जेठ वद - 5

धर्मलाभ

सच्ची विद्या वह है जो अहंकार नहीं..... विनम्रता बढ़ाए.....

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

जब ज्ञान घमंड बन जाए और शक्ति अत्याचार...

विद्या विवादाय धनं मदाय ,
शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोर्विपरीतमेतत् ,
ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

दुष्ट व्यक्ति विद्या को विवाद के लिए, धन को घमंड के लिए, और शक्ति को दूसरों को पीड़ा पहुँचाने के लिए इस्तेमाल करता है।

जबकि सज्जन व्यक्ति विद्या को ज्ञान के लिए, धन को दान के लिए, और शक्ति को रक्षा के लिए उपयोग करता है।

अब ज़रा सोचिए ......

जब कोई विद्वान गूगल से ज़्यादा जानकारी रखता हो , लेकिन सारी विद्या केवल सोशल मीडिया पर कमेंट-युद्ध जीतने में लगाए तो समझ लीजिए कि वो पहले वाले " खल " कैटेगरी में है।

और अगर कोई अरबपति सिर्फ इसलिए कार में रोल्स-रॉयस की संख्या गिनवाता है कि बाकी लोग कुर्सी से गिर जाएँ तो वो भी इसी खेमे का मेहमान है।

लेकिन वही कोई चुपचाप बच्चों की पढ़ाई में पैसे लगाए, अनाथाश्रमों में दान करे, या फिर अपनी ताकत का इस्तेमाल किसी कमज़ोर को बचाने में करे तो वह है " साधु " — आधुनिक युग का असली सुपरहीरो !!!

🔍 एक हल्का-सा निष्कर्ष :

"विद्या, धन और शक्ति ये सब चॉकलेट की तरह हैं। अगर सही हाथ में हों, तो स्वाद भी बढ़ाते हैं और खुशी भी बाँटते हैं।

गलत हाथ में पड़ें... तो डायबिटीज़ भी करा सकते हैं और दाँत भी तोड़ सकते हैं!"

धन और शक्ति का मूल्य इस बात से नहीं आँका जाता कि आपने कितना पाया,बल्कि इस बात से कि आपने उससे कितों का जीवन संवारा।

मार्मिक प्रश्नमंच - 225

धुंटण के प्रोब्लेम विचारणा किस राशि में होती है ???

(1) मेष
(2) वृषभ
(3) मीन
(4) मकर

प्रश्नमंच 224 जवाब (4) कन्या

विजेता : श्री कोकिला शाह - कादिवली

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें 8849680131
www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 78 , ता. 17. 6. 2025 , मंगलवार , जेठ वद - 6

धर्मलाभ

माता-पिता की सेवा वो पूंजी है... जो कभी घाटे में नहीं जाती ये आशीर्वाद ब्याज सहित लौटता है।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

माँ-बाप की सेवा जहाँ प्यार है वहाँ मज़ा अपने आप है !!!

हम सबने बचपन में माँ की डांट और पापा की फटकार तो खूब खाई है, लेकिन एक बात जो हर बार उनके पीछे छिपी रहती थी वो थी बेपनाह मोहब्बत ।अब जब हम बड़े हो गए हैं, तो नंबर हमारा है सेवा करने का।

सेवा करना कोई कठिन तपस्या नहीं है, बल्कि कभी-कभी तो ये हँसी का ज़रिया भी बन जाता है। जैसे

माँ कहती हैं : "बेटा, पानी दे दे !"

और हम जवाब देते हैं : "माँ, रोबोट समझा है क्या?"

माँ मुस्कुराती हैं :"हाँ, रोबोट नहीं... मेरा लाडला समझा है!"

और फिर पानी देना हम भूल जाते हैं, लेकिन माँ हमें कभी नहीं भूलती एक घंटे बाद चाय लेकर खुद चली आती हैं।

पापा का मामला थोड़ा अलग होता है।

वो रिमोट ढूँढते हैं जैसे कोई खजाना हो, और जब नहीं मिलता तो कहते हैं:

"बेटा, तुमने कहीं रखा होगा!"

अब हम Sherlock Holmes बन जाते हैं, और रिमोट अक्सर पापा के ही तकिए के नीचे मिलता है।

मज़ा तब आता है जब हम उन्हें मोबाइल चलाना सिखाते हैं।

माँ पूछती हैं : "ये व्हाट्सऐप में 'लास्ट सीन' क्या होता है?" हम जवाब देते हैं: "माँ, यही तो सबसे खतरनाक चीज़ है, इसी से पकड़े जाते हैं लोग!"

और माँ मुस्कुराते हुए कहती हैं : "फिर तो अच्छा है कि हम पुराने ज़माने के हैं!"

सच तो यह है कि माता-पिता की सेवा कोई बोझ नहीं, एक रोज़ की कॉमेडी शो की तरह है जिसमें भावनाएँ भी होती हैं, और हँसी भी।

तो अगर आप कभी ऊब जाएँ तो बस माँ के साथ रसोई में बैठ जाएँ या पापा से पुराने ज़माने की कोई कहानी सुन लें यकीन मानिए, आपकी 'नेटफ्लिक्स' से ज़्यादा मज़ेदार होगी।

सेवा कीजिए, मुस्कुराइए क्योंकि माँ-बाप हैं, तो ज़िंदगी है। 😄

मार्मिक प्रश्नमंच - 226

वक्ष : स्थल के प्रोब्लेम विचारणा किस राशि में होती है ???

(1) कर्क
(2) मिथुन
(3) मीन
(4) सिंह

प्रश्नमंच 225
जवाब (4)
मकर

विजेता : श्री प्रविणा महेता - कादिवली

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site

अर्हम् साईट

contact : 8849680131

arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...

झो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें 8849680131

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 79 , ता. 18. 6. 2025 , बुधवार , जेठ वद - 7

पछतावा अतीत बदल नहीं सकता, लेकिन सीख जरूर देता है ताकि भविष्य में वही गलती न दोहराई जाए।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

धर्मलाभ

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

पछतावा से कोई फायदा नहीं

पछतावा से कोई फायदा नहीं – अब तो खिचड़ी भी जल गई! कहते हैं न, "अब पछताए होत क्या, जब चिड़ियाँ चुग गई खेत?" वैसे ही एक बार जब दूध उबल कर गैस पर गिर जाए, तो पछतावे से गैस साफ़ नहीं होती – झाड़ू-पोंछा लगाना पड़ता है!

हम इंसान भी बड़े अजीब प्राणी हैं। पहले गलती करते हैं, फिर देर रात तक छत घूरते हैं – "काश! ऐसा न किया होता..." लेकिन सच तो ये है कि 'काश' से कोई राशन नहीं मिलता।

एक बार मैंने तय किया कि डाइट शुरू करूंगा। दिन भर भूखा रहा, लेकिन जैसे ही सामने गुलाब जामुन आया, आत्मा कमज़ोर पड़ गई। तीन खा गया। फिर बैठा पछताने, "अब वजन कैसे घटेगा!" लेकिन अफ़सोस से कैलोरी नहीं जलती, ट्रेडमिल से जलती है।

ज़िंदगी का असली मज़ा तब है जब हम अपनी गलतियों पर भारी पछताने के बजाय, उनसे हल्की-फुल्की हँसी निकालकर आगे बढ़ें। क्योंकि जो गिरकर उठते नहीं, वो या तो सो रहे होते हैं... या फिर सीढ़ियाँ समझकर सोफे पर चढ़ गए होते हैं!

इसलिए अगली बार जब कोई गलती हो जाए – थोड़ा मुस्कुरा लेना, सीख लेना, और कह देना : " पछतावा तो फ्री में मिलता है, लेकिन अगली बार समझदारी थोड़ी महंगी है... चलो बचा लें! "

हर पछतावे के पीछे एक सीख छिपी होती है; फर्क बस इतना है कि कुछ लोग उसे दर्द मानते हैं, और कुछ लोग उसे रास्ता बना लेते हैं।

मार्मिक प्रश्नमंच - 227

सासरे पक्ष कि विचारणा के लिए कौनसा भाव देखना ???

(1) द्वितीय
(2) चतुर्थ
(3) द्वादश
(4) सप्तम

प्रश्नमंच 226 जवाब (1) कर्क

विजेता : श्री दिया - चाणस्मा

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site

अर्हम् साईट

contact : 8849680131

arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...

ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें 8849680131

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 80 , ता. 19. 6. 2025 , गुरूवार , जेठ वद - 8

झूठ जितना भी तेज़ दौड़े, सच
एक दिन उसे पकड़ ही लेता है,
क्योंकि झूठ के पास पैर नहीं होते
लेकिन सच के पास हिम्मत होती है।

धर्मलाभ आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय
{आनंदराज}

" झूठ के पैर नहीं होते "

यह कहावत सुनने में जितनी सीधी है, असल में उतनी ही गहरी और चटपटी भी है। सोचिए ज़रा, अगर झूठ के पैर होते, तो वह दौड़ता, भागता और शायद सच्चाई से भी आगे निकल जाता! लेकिन नहीं झूठ बेचारा हमेशा पकड़ा जाता है, क्योंकि उसके पास भागने की ताकत ही नहीं होती।

जब कोई झूठ बोलता है, तो उसे सौ बातें याद रखनी पड़ती हैं किससे क्या कहा, कब कहा, क्यों कहा! और जैसे ही एक बात बिगड़ी, सारी झूठ की इमारत भरभराकर गिर जाती है। इसलिए कहते हैं कि झूठ जितना बनावटी होता है, उतना ही जल्दी बेनकाब हो जाता है।

सच को कोई मेकअप नहीं चाहिए वह जैसा है, वैसा ही चमकता है। लेकिन झूठ को सजाना पड़ता है, रंग-रोगन करना पड़ता है, और फिर भी वह टिकता नहीं। झूठ की पोल तब खुलती है, जब वह अपनी ही बातों में उलझकर गिर पड़ता है और तब लोग कहते हैं, "अरे! झूठ पकड़ा गया!"

झूठ बोलना वैसे भी एक थकाऊ काम है न सिर्फ ज़ुबान के लिए, बल्कि दिमाग के लिए भी! और मज़ेदार बात ये है कि जो लोग बार-बार झूठ बोलते हैं, वो खुद ही भूल जाते हैं कि आख़िरी झूठ क्या बोला था। बस फिर क्या पकड़े गए!

इसलिए सही कहा गया है — झूठ के पैर नहीं होते। वो न ज्यादा दूर जा सकता है, न ज़्यादा देर टिक सकता है।

झूठ चाहे जितना सज ले, सच से हार ही जाता है,
बिना पैरों के झूठ, हर मोड़ पर लंगड़ाता है।
कितनी भी चालाकी कर ले, किस्मत पकड़ ही लेती है,
सच की रौशनी में झूठ की सूरत झूठी लगती है।

मार्मिक प्रश्नमंच - 228

अष्टमी स्थान को
कौनसा स्थान कहते हैं ???

(1) मोक्ष
(2) कलत्र
(3) मृत्यु
(4) रिपु

प्रश्नमंच 227
जवाब (2)
चतुर्थ

विजेता : श्री अल्का जैन

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर
whatsapp करें...
इ्से द्वारा विजेता को नाम
अर्हम् दैनिक में आयेगा
एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी
बनने हेतु आप भी
अंक लाभार्थी बन
सकते हैं । संपर्क करें
8849680131
www.arhamsite.com
क्लिक करें...